प्रेरणा

जीवन में ज्यादा रिश्ते
ज़रूरी नहीं हैं,
पर जो रिश्ते हों
उनमें जीवन होना
ज़रूरी है।

सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

मास्क जरूरी,
नहीं कोई मजबूरी

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-3 • 13 JANUARY TO 19 JANUARY 2022 • VOLUME-26 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING | DESIGN | TRAINING

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &
*Pay Money after the visa

•IELTS •STUDY ABROAD

CANADA AUSTRALIA USA
U.K SINGAPORE EUROPE

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

आर्मी चीफ ने कहा- पाकिस्तान की तरफ से प्रॉक्सी वॉर जारी

एलओसी के पार आतंकी लॉन्च पैड में करीब 400 आतंकी

नई दिल्ली. पाकिस्तान की तरफ से भले ही सीजफायर उल्लंघन में भारी कमी आई है लेकिन पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। इंडियन आर्मी चीफ जनरल एम एम नरवणे ने कहा कि पाकिस्तान की तरफ से प्रॉक्सी वॉर जारी है। उन्होंने कहा कि पिछले साल फरवरी में भारत और पाकिस्तान इस सहमति पर पहुंचे कि सीजफायर का उल्लंघन नहीं होगा। हालांकि 2023 से ही यह सहमति थी पर पाकिस्तान लगातार इसका उल्लंघन कर रहा था।

सियाचिन ग्लेशियर में दोनों सेनाएं आमने-सामने

जनरल नरवणे ने कहा कि पाकिस्तान ने कब्जा करने की कोशिश की तो हमने भी वहां तैनाती की। पूरे सियाचिन ग्लेशियर में भारत और पाकिस्तान के सैनिक आमने सामने हैं। सैनिकों को कम करने या हटाने के बारे में तब सोचा जा सकता है जब एक्चुअल ग्राउंड पोजिशन लाइन को दोनों देश स्वीकर कर लें।

पिछले साल फरवरी के बाद सीज फायर का उल्लंघन कम हुआ है, उल्लंघन की अब तक दो ही घटनाएं हुई हैं। इससे कुछ हद तक स्थिति सामान्य होने की तरफ बढ़ी है लेकिन पाकिस्तान की तरफ से प्रॉक्सी वॉर जारी है। आतंकवादी अभी भी एलओसी के दूसरी तरफ लॉन्च पैड में हैं। आर्मी चीफ ने कहा कि इंटेलिजेंस इनपुट के हिसाब से करीब 350-400 आतंकी उन लॉन्च पैड और ट्रेनिंग कैंप में हैं। तो खतरा कम नहीं हुआ है और हमें अलर्ट रहना है। जनरल नरवणे ने कहा कि इस खतरे को इग्नोर नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में सिक्योरिटी सिचुएशन में सुधार हुआ है। आतंकियों को लोगों का सपोर्ट नहीं मिल रहा है। इसलिए आतंकी वहां की शांति भंग करने के लिए अल्पसंख्यकों, बाहर से आए मजदूरों को टारगेट कर रहे हैं। लेकिन हम उन चुनौतियों से निपट रहे हैं। ड्रोन से जुड़े खतरों के बारे में आर्मी चीफ ने कहा कि ड्रोन का इस्तेमाल आतंकियों को लॉजिस्टिक सपोर्ट पहुंचाने के लिए किया जा रहा है।

दिल्ली में कोरोना के 27,561 नए मामले दर्ज, पॉज़िटिविटी रेट 26.22 फीसदी हुआ

नयी दिल्ली. राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बुधवार को कोविड के 27,561 नये मामले आए हैं जबकि कोरोना वायरस संक्रमण से 40 लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, शहर में संक्रमण की दर 26.22 प्रतिशत दर्ज की गई है। पिछले साल 10 जून को संक्रमण से हुई 44 लोगों की मौत के बाद, बुधवार को एक दिन में सबसे ज्यादा 40 लोगों की मौत संक्रमण से हुई है। आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण की दर भी पिछले साल चार मई (26.7 प्रतिशत) के बाद सबसे ऊंचा है।

पंजाब के लिए केजरीवाल ने '10 सूत्री पंजाब मॉडल' किया पेश

कहा- आम आदमी पार्टी बनाएगी खुशहाल और सुनहरा पंजाब

चंडीगढ़. आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रंगला और सुनहरा पंजाब बनाने के लिए '10 सूत्री पंजाब मॉडल' पेश किया। केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार नया, सुनहरा और खुशहाल पंजाब बनाएगी एवं राज्य में फिर से अमन-शांति और भाईचारा कायम करेगी। बुधवार को मोहाली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अरविंद केजरीवाल ने अपने 10 सूत्री पंजाब मॉडल की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हमने पंजाब के संपूर्ण विकास और तरक्की के लिए राज्य के लोगों से मिले फीडबैक के आधार पर 10 एजेंडे तैयार किए हैं। एजेंडे में पंजाब के सभी क्षेत्रों का पूरा ख्याल रखा गया है।

एजेंडे में सबसे पहले रोजगार को रखा गया है। केजरीवाल ने कहा कि रोजगार के अभाव में बड़ी संख्या में पंजाब के नौजवान लाखों रुपए खर्च कर विदेश जा रहे हैं। आप की सरकार पंजाब में रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराएगी और पांच साल में पंजाब को इतना समृद्ध बना देगी कि जो बच्चे विदेश चले गए हैं वे भी पंजाब वापस आ जाएंगे। हमें रोजगार देने आता है। दिल्ली में कोरोना काल में हमने 10 लाख लोगों को रोजगार दिया। केजरीवाल का दूसरा एजेंडा नशा मुक्त पंजाब बनाना है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों की ड्रग माफिया के साथ सांठगांठ थी जिसके कारण पूरे पंजाब में नशीली वस्तुओं का अवैध कारोबार हुआ और लाखों नौजवान नशे में डूब गए। आप सरकार नशा माफिया के समूचे गिरोह को जड़ से खत्म करेगी और पंजाब को नशा मुक्त बनाएगी। तीसरे एजेंडे में राज्य में शांति, कानून-व्यवस्था और भाईचारा कायम करना है।

केजरीवाल ने कहा कि पंजाब में बेअदबी की कई घटनाएं हुई लेकिन किसी भी मामले में किसी को कोई सजा नहीं हुई। पंजाब पुलिस दोषियों को सजा दिलाने में पूर्णत: सक्षम है, लेकिन उन्हें कार्रवाई करने की छूट नहीं दी गई। कांग्रेस-अकाली नेता एक दूसरे को बचाने में लगे रहे और पुलिस व कानून का अपने फायदे के लिए इस्तेमाल किया।

'सीट छोड़ देंगे, पर बिकने नहीं देंगे'

चंडीगढ़. चुनाव में टिकटों की खरीद-बिक्री के आरोपों का खंडन करते हुए केजरीवाल ने दावा किया कि आम आदमी पार्टी में ना तो टिकट खरीदी जाती है और ना ही बेची जाती है। उन्होंने कहा, 'अगर किसी के पास पैसे लेकर टिकट देने का प्रमाण है तो मुझे सौंपे, मैं करवाई करंगा और ऐसे लोगों को 24 घंटे के अंदर पार्टी से निष्कासित कर जेल भेजूंगा। आम आदमी पार्टी में भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों के लिए कोई जगह नहीं है।' केजरीवाल ने कहा कि आजादी के बाद से अब तक कांग्रेस भाजपा समेत तमाम पार्टियों ने देश पर राज किया। सभी पार्टियों पर भ्रष्टाचार और घोटाले के आरोप लगे, लेकिन आम आदमी पार्टी देश की एकलौती ऐसी पार्टी है जिसकी बुनियाद ही ईमानदारी और संघर्ष पर टिकी है। उन्होंने दावे के साथ कहा कि आम आदमी पार्टी देश के सबसे ईमानदार पार्टी है।

केजरीवाल ने कहा कि राजनीतिक पार्टियों में आजकल इस प्रकार के आरोप लगाने का ट्रेंड चल रहा है। अपनी राजनीति चमकाने के लिए पारंपरिक पार्टियों के नेता एक दूसरे पर कीचड़ उछालते हैं और जनता को गुमराह करते हैं। आम आदमी पार्टी आरोप-प्रत्यारोप, गाली गलौज और कीचर उछालने की राजनीति नहीं करती है। उन्होंने कहा कि सच्चाई का रास्ता कांटों भरा होता है और आम आदमी पार्टी को इन कांटों भरे रास्ते को पार करना है। सभी विरोधी पार्टियों पंजाब में आप को रोकने के लिए तरह-तरह के झूठे और बेबुनियाद आरोप लगाकर बदनाम करने की कोशिश कर रही है, लेकिन पंजाब के लोग उनके मंसूबे को कामयाब नहीं होने देंगे।

पंजाब बेहद चुनौतीपूर्ण दौर में, भाजपा देगी रोडमैप : शेखावत

पूर्व विधायक दीदार भट्टी व सतवंत मोहि सहित कई धुरंदरों ने थामा भाजपा का दामन

जालंधर. भारतीय जनता पार्टी, पंजाब का विस्तार लगातार जारी है। विपक्षी दलों के नेता लगातार अपनी-अपनी पार्टियों को अलविदा कह कर भाजपा परिवार में शामिल हो रहे हैं। इसी कड़ी में आज शिरोमणि अकाली दल के धुरंधरों ने जालंधर में भाजपा का कमल थाम लिया। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री व प्रदेश भाजपा चुनाव प्रभारी गजेंदर सिंह शेखावत ने जालंधर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान इन सभी को भाजपा का सिरोपा पहना कर भाजपा परिवार में शामिल करवाया। जालंधर पहुँचने पर जिला भाजपा अध्यक्ष सुशील शर्मा ने अपनी टीम के पदाधिकारियों सहित राष्ट्रीय व प्रदेश नेतृत्व का स्वागत किया। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री सोम प्रकाश, सांसद हंस राज हंस, प्रदेश भाजपा महासचिव राजेश बागा, दयाल सिंह सोढ़ी आदि भी उपस्थित थे।

गजेंदर सिंह शेखावत ने इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि आज पंजाब बेहद कठिन तथा चुनौतीपूर्ण समय से गुजर रहा है और भाजपा सत्ता में आने पर प्रदेश को इससे निकालने में विस्तृत रोडमैप देगी। मुख्यमंत्री व राज्य सरकार का मौलिक कर्तव्य प्रदेश में कानून और व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री के अधीन पूरी पुलिस, एजेंसियां और प्रशासन होता है। लेकिन चन्नी ने राज्य की सुरक्षा को ही दांव पर लगा रखा है। राज्य में फैली अराजकता व दहशत के लिए चन्नी, सिद्धू व उनकी सरकार को जिम्मेदारी लेनी होगी और लोग उन्हें ही जवाबदेह ठहराएंगे, जो अपनी नाकामियों का दोष दूसरों के सिर पर मढ़ते हैं। भाजपा किसी को भी बेहद मुश्किल से मिली इस शांति को भंग करने की इजाजत नहीं दी देगी।

चुनाव सर पर...लेकिन आपसी गुटबाजी में कोई कमी नहीं, हो रहा है शहर का बेड़ा गर्क...

जालंधर में पिछले कई विधानसभा चुनावों में देखा गया

एक ही खास पार्टी के विधायकों-पार्षदों की आपसी गुटबाजी कर रही है जनता को परेशान

• **जालंधर ब्रीज.** विशेष रिपोर्टर

पंजाब में विधानसभा चुनाव के दौरान जालंधर शहर में ज्यादातर भाजपा या कांग्रेस का प्रत्याशी हमेशा विधायक बनता है लेकिन जालंधर वासियों ने इन दोनों पार्टियों में जिस भी नेता को चुना है चुनाव जीतने के बाद उनकी आपसी गुटबाजी के कारण जालंधर पूरी तरह से विकसित नहीं हो पाया है। साल 2017 में जब कांग्रेस की सरकार बनी थी तो लोगों को उम्मीद थी कि सभी विधायक आपसी तालमेल बना कर जालंधर के विकास को अमली जामा पहनाएंगे।

परन्तु अक्सर देखने में आता है विधायक एक-दूसरे के क्षेत्र में विकास कार्य को करवाने में तवज्जो देने की बजाय उन्हें रुकवाने में ज्यादा दिलचस्पी रखते हैं जिसका सबसे ज्यादा फायदा प्रशासन में कार्य कर रहे अफसर और कर्मचारी उठाते दिखाई देते हैं। उनके द्वारा ही लोगों को पता लगता है कि किस कार्य को किस विधायक ने रोका या चलवाया है।

फोटो साभार : थर्ड आई टूडे

बता दें कि जिन पार्षदों के कारण कांग्रेस के विधायकों ने चुनाव जीते थे, वह भी इस बार उनसे ख़फा दिख रहे हैं। उनका कहना है कि अफसरों को कोई भी कार्य शुरू करने संबधी पूछने पर साफ कह दिया जाता है कि पहले आप अपने विधायक से बात करो।

जिक्रयोग्य है कि जालंधर में कांग्रेस के तीन विधायक पहले कैप्टन खेमे के माने जाते थे और उनके काम भी चंडीगढ़ में बैठे और लोकल अफसरों द्वारा जल्द करवा दिए जाते थे। अब जबसे सिद्धू खेमे के विधायक मंत्री बने हैं, सभी कार्य उनके क्षेत्र में ही होते हुए देखे गए हैं।

गौरतलब है कि भाजपा जालंधर के विधायकों की आपसी गुटबाजी के चलते ही उन्हें पिछले विधानसभा चुनावों में हार का सामना करना पड़ा था। यह बात किसी से छुपी नहीं है कि एक विधायक द्वारा शहर के विकास कार्य को करवाने के लिए पूर्व मेयर और अफसरों को कुछ एरिया में ही कार्य करने के निर्देश दिए गए थे और अक्सर देखा जाता है कि पार्टी कार्यकर्त्ता अपनी ही पार्टी के विधायकों को उनके क्षेत्र में काम रुकवाने हेतू कोसता दिखता है।

अब देखना है कि इस बार आम आदमी पार्टी के मैदान में उतरने से जहां जालंधर में दोनों पार्टी के नेताओं की मुश्किलें तो बढ़ेगी ही, वहीं पार्टी को भी उन उम्मीदवारों को मैदान में उतारना चाहिए जो जीतने के बाद चाहे मंत्री बने या अन्य किसी उच्च पदवी पर पार्टी द्वारा सरकार में शामिल किया जाए, उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि वह जिले में पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्त्ता और विधायक को साथ लेकर चले। नहीं तो जनता चुनावों में उन पार्टियों के विधायकों को सत्ता से बाहर रखेगी, जो अपनों को साथ नहीं रख सकते, शहर और लोगों का विकास कैसे करेंगे।

जरूरत से ज्यादा खा लेने के बाद रिलैक्स होना है तो इन टिप्स को अपनाएं...

ओवर इटिंग की वजह से कभी-कभी पेट में दर्द या अन्य समस्याएं भी पैदा हो जाती है। हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताने जा रहे हैं, जिन्हें अपनाकर काफी हद तक रिलैक्स फील किया जा सकता है।

न खराब लाइफस्टाइल के कारण आजकल लोगों को कई बीमारियां अपनी चपेट में ले रही हैं। इस कारण डायबिटीज, थायरॉयड, बीपी, कोलेस्ट्रॉल, हार्ट की समस्याएं, घुटनों में दर्द आदि तमाम समस्याएं कम उम्र पर होने लगी हैं। डाइट और बेहतर लाइफस्टाइल को फॉलो करने के बीच कभी-कभी खाना इतना स्वादिष्ट बना होता है कि लोग खुद पर कंट्रोल नहीं कर पाते। स्वादिष्ट या फेवरेट फूड को देखकर लोग पेट और दिमाग की नहीं सुनते हैं और हद से ज्यादा खाना खा लेते हैं। इस वजह से उन्हें हेवीनेस फील होने लगती है।

हेवीनेस से रिलैक्स होने के लिए कई लोग लेट जाते हैं, लेकिन इससे उन्हें जल्दी राहत नहीं मिल पाती और वे परेशानी से घिरे रहते हैं। ओवर इटिंग की वजह से कभी-कभी पेट में दर्द या अन्य समस्याएं भी पैदा हो जाती है। हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताने जा रहे हैं, जिन्हें अपनाकर काफी हद तक रिलैक्स फील किया जा सकता है। जानें वो टिप्स...

काला नमक

ज्यादा खा लेने के बाद हेवीनेस से राहत पाने के लिए काले नमक का पानी पीएं। इसे बनाने के लिए थोड़े पानी को गर्म करें और इसमें काला नमक, जीरा, अजवाइन जैसी चीजें मिलाएं और खाने के करीब आधे घंटे बाद इस पानी को पीएं। इससे आप काफी रिलैक्स फील करेंगे।

खीरा खाएं

फाइबर से भरपूर खीरे के लिए कहा जाता है कि ये पाचन क्रिया को मजबूत करने में मददगार होता है। खाने के करीब 20 मिनट बाद आधा खीरा काट कर खाएं और रिलैक्स फील करें।

गुनगुना पानी

ज्यादा खा लेने के बाद हेवीनेस के साथ-साथ जलन या एसिडिटी की प्रॉबल्म भी तंग करती है। इससे राहत पाने में गुनगुना पानी बेस्ट माना जाता है। आप चाहे तो इस पानी में नींबू का रस और नमक मिला सकते हैं। इसका सेवन करने से पेट में बने भारीपन से आराम मिलेगा।

एक जगह न बैठे रहें

भले ही आपने ज्यादा खा लिया हो लेकिन इसके बाद एक जगह पर बैठे रहने से हेवीनेस आपका पीछा नहीं छोड़ेगी। ऐसे में बीच-बीच में चलते-फिरते रहें। इससे आपकी बॉडी सक्रिय होगी और आप हेल्दी भी रहेंगे। इस स्टेप से हमारे शरीर में बनने वाली फालतू कैलोरी बर्न होती है और हम फिट रहते हैं।

पैदल चलें

ओवर ईटिंग के बाद हुई दिक्कत से राहत पाने के लिए ये टिप सबसे बेस्ट मानी जाती है। विशेषज्ञों की मानें तो ऐसा करने से करीब आधे घंटे में 200 कैलोरी बर्न की जा सकती है। ऐसा करने से आपकी बॉडी भी हेल्दी रहेगी और इम्यूनिटी भी बूस्ट होगी।

KNOW UPDATE

क्या है नीले, मैरून, सफेद और नारंगी कलर के पासपोर्ट का मतलब, किन्हें किस रंग का मिलता है?

देश में नीले रंग के अलावा नारंगी, सफेद और मैरून रंग के भी पासपोर्ट इश्यू किए जाते हैं। हर तरह के पासपोर्ट के लिए अलग योग्यताएं निर्धारित हैं।

विदेश यात्राओं के लिए पासपोर्ट एक जरूरी दस्तावेज होता है। देश से बाहर यही आपके भारतीय नागरिक होने की पहचान होता है। सामान्य नागरिकों को ब्लू रंग का पासपोर्ट इश्यू किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि नीले रंग के अलावा मैरून, सफेद और नारंगी रंग के भी पासपोर्ट होते हैं? इन अलग रंगों के पासपोर्ट का क्या मतलब होता है और किन लोगों को किस रंग के पासपोर्ट इश्यू किए जाते हैं? आइए जानते हैं।

नीले रंग का पासपोर्ट

यह भारत के आम नागरिकों को जारी किया जाता है। यह विदेश में आपके भारतीय होने की असल पहचान होती है। इसे ब्लू रखा गया है, ताकि आम भारतीय नागरिकों की पहचान हो सके। इसमें व्यक्ति की तस्वीर, जन्मतिथि, जन्म स्थान, पता और हस्ताक्षर वगैरह दर्ज होता है।

नारंगी रंग का पासपोर्ट

भारत सरकार ने ऑरेंज कलर का पासपोर्ट भी निर्धारित किया है, जो ऐसे व्यक्ति को इश्यू किया जाता है, जो केवल 10वीं कक्षा तक ही पढ़े हैं। ऐसा ज्यादातर विदेश में काम करने वाले माइग्रेंट मजदूरों के लिए होता है। उन्हें दिशानिर्देशों को समझने के लिए किसी की सहायता चाहिए होती है। इस पासपोर्ट पर भी धारक के विषय में जानकारी दर्ज होती है।

सफेद रंग का पासपोर्ट

सफेद रंग के पासपोर्ट का मतलब है कि धारक सरकारी पदाधिकार है। यह गर्वनमेंट ऑफिशियल को इश्यू किया जाता है और उनकी आइडेंटिटी दर्शाता है। इनमें वे लोग होते हैं जो कि सरकारी कामकाज से विदेश यात्रा पर जाते हैं। कस्टम चेकिंग के वक्त उनके साथ उसी तरह सम्मान से पेश आया जाता है।

मैरून रंग का पासपोर्ट

यह पासपोर्ट भारतीय उच्चायोग से संबंधित अधिकारियों को जारी किया जाता है, जो विदेशों में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। सामान्य पासपोर्ट से अलग रखने का उद्देश्य ही इनकी विशेष पहचान स्थापित करना है। खास बात ये है कि ऐसे पासपोर्टधारी पर विदेशों में मुकदमा दर्ज करना आसान नहीं होता है। इसके लिए एक बड़ी प्रक्रिया से गुजरना होता है। आम लोगों की तुलना में ऐसे पासपोर्टधारी को किसी भी वीजा की जरूरत नहीं होती है। इन्हें इमिग्रेशन में भी कम समय लगता है और भी कई सुविधाएं मिलती हैं।

बजट 2022: रियल एस्टेट कंपनियों के संगठन की टैक्स छूट की मांग, कहा- घरों की बढ़ेगी मांग

रियल एस्टेट कंपनियों के संगठन क्रेडाई ने घरों की मांग में तेजी लाने के लिए कई तरह की कर राहत की मांग की है, जिसमें होम लोन पर ब्याज में कटौती की सीमा को वर्तमान की दो लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये करना शामिल है।

बजट 2022 : रियल एस्टेट कंपनियों के संगठन क्रेडाई ने घरों की मांग में तेजी लाने के लिए कई तरह की कर राहत की मांग की है, जिसमें होम लोन पर ब्याज में कटौती की सीमा को वर्तमान की दो लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये करना शामिल है। पीटीआई के मुताबिक, क्रेडाई (कॉन्फेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशंस ऑफ इंडिया) ने वित्त मंत्रालय को भेजी बजट अनुशंसा में क्षेत्र के लिए आधारभूत दर्जे और किफायती घरों की परिभाषा में बदलाव की भी मांग की है।

क्रेडाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष हर्षवर्धन पटोडिया ने उम्मीद जताई कि आगामी बजट विभिन्न संशोधनों, छूटों और विस्तारों के जरिए अवसंरचना विकास और आवास क्षेत्र को बढ़ावा देगा जिसकी बेहद जरूरत है।

महामारी के बीच वक्त मुश्किल: संगठन

पटोदिया ने कहा कि वे वित्त मंत्रालय से अनुरोध करते हैं कि धारा 24(बी) के तहत कर छूट के लिए घर खरीदारों के लिए ब्याज में और कटौती की जाए। उन्होंने कहा कि इससे घर खरीदने संबंधी धारणा मजबूत होगी, खास तौर पर ऐसे समय जब महामारी की तीसरी लहर का प्रकोप शुरू हो चुका है और वक्त बहुत मुश्किल चल रहा है।

रियल एस्टेट जानकारों का कहना है कि आने वाले बजट में किफायती और रेंटल हाउसिंग पर जोर दिए जाने के लिए कदमों पर ध्यान होगा। मनीकंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक, इसके साथ फंसे हुए रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स को लिक्विडिटी उपलब्ध कराने के लिए मौजूदा वित्तीय व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा।

इस महीने की शुरुआत में, सरकार ने सभी परिवारों के लिए पक्का घर उपलब्ध कराने की डेडलाइन को 2024 तक बढ़ा दिया है। कैबिनेट ने फैसला किया है कि उसकी फ्लैगशिप सरकारी स्कीम प्रधानमंत्री अवास योजना-ग्रामीण के तहत सरकार अतिरिक्त केंद्र और राज्य को 2.17 लाख करोड़ रुपये की फंडिंग देगी। इससे उसके 2.95 करोड़ रुपये बनाने के लक्ष्य को हासिल किया जा सकेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, सेक्टर के एक जानकार ने कहा कि सरकार की किफायती हाउसिंग की ओर प्रतिबद्धता पहले की तरह बनी रहेगी।

बजट 2021 में पहली बार घर खरीदारों को अफॉर्डेबल सेगमेंट में होम लोन पर अतिरिक्त ब्याज कटौती का फायदा दिया गया था। जानकारों के मुताबिक, सरकार के नोटिफाइड रेंटल हाउसिंग प्रोडक्ट्स के लिए टैक्स छूट उपलब्ध कराने के जरिए किफायती रेंटल हाउसिंग स्कीम्स का प्रचार जारी रखने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इससे इस स्कीम में निवेश की रफ्तार तेजी होगी। और यह सरकार के सभी लोगों के लिए घर के कुल लक्ष्य का हासिल करने में मदद करेगा।

इस सरकारी स्कीम में हर महीने कमाई करने का मिलता है मौका, पैसा भी रहेगा पूरी तरह सेफ

पोस्ट ऑफिस की स्मॉल सेविंग स्कीम्स में या मंथली इनकम स्कीम यानी एमआईएस भी शामिल है। आइए इस स्कीम के बारे में डिटेल में जानते हैं।

मंथली इंकम स्कीम : अगर आप आने वाले दिनों में निवेश करने की सोच रहे हैं, तो पोस्ट ऑफिस की सेविंग्स स्कीम्स में कर सकते हैं। इन स्कीम्स में आपको अच्छा रिटर्न तो मिलता ही है। साथ में, इसमें निवेश किया गया पैसा भी पूरी तरह सुरक्षित रहता है। अगर बैंक डिफॉल्ट होता है, तो आपको पांच लाख रुपये की ही राशि वापस मिलती है। लेकिन डाकघर में ऐसा नहीं है। इसके अलावा पोस्ट ऑफिस की सेविंग्स स्कीम्स में बेहद कम राशि से निवेश शुरू किया जा सकता है।

पोस्ट ऑफिस की स्मॉल सेविंग स्कीम्स में या मंथली इनकम स्कीम यानी (एमआईएस) भी शामिल है। आइए इस स्कीम के बारे में डिटेल में जानते हैं।

ब्याज दर

पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम में मौजूदा समय में सालाना 6.6 फीसदी की ब्याज दर मौजूद है। ब्याज का भुगतान मासिक आधार पर किया जाता है। यह ब्याज दर 1 अप्रैल 2020 से लागू है।

निवेश की राशि

डाकघर की इस योजना में 1,000 रुपये के मल्टीपल में निवेश करना होगा। इसमें अधिकतम निवेश की राशि सिंगल अकाउंट में 4.5 लाख रुपये और ज्वॉइंट अकाउंट में 9 लाख रुपये तय की गई है। इस स्कीम में व्यक्ति अधिकतम 4.5 लाख रुपये निवेश कर सकता है। इसमें ज्वॉइंट अकाउंट में उसका शेयर भी शामिल है। ज्वॉइंट अकाउंट में एक व्यक्ति का शेयर कैलकुलेट करने के लिए, हर ज्वॉइंट होल्डर का बराबर का हिस्सा होता है।

कौन खोल सकता है अकाउंट?

मंथली इनकम स्कीम में एक वयस्क, तीन वयस्क तक साथ मिलकर ज्वॉइंट अकाउंट, नाबालिग या कमजोर दिमाग के व्यक्ति की ओर से अभिभावक अकाउंट खोल सकता है। इसके अलावा 10 साल से ज्यादा उम्र का नाबालिग अपने खुद के नाम में भी अकाउंट खोल सकता है।

मैच्योरिटी

इस स्मॉल सेविंग्स स्कीम में अकाउंट को खोलने की तारीख से 5 साल खत्म होने पर बंद किया जा सकता है। खाता बंद करने के लिए संबंधित पोस्ट ऑफिस में पासबुक के साथ उपयुक्त ऐप्लीकेशन फॉर्म जमा कराना होगा। मैच्योरिटी से पहले, खाताधारक की मौत हो जाने की स्थिति में, अकाउंट को बंद किया जा सकता है और राशि को नॉमिनी या कानूनी उत्तराधिकारी को रिफंड कर दिया जाएगा। ब्याज का भुगतान जिस महीने में रिफंड किया गया है, उससे पिछले महीने तक किया जाएगा।

DO YOU KNOW

भारत में स्काईडाइविंग करने के लिए बेस्ट जगहें

स्काईडाइविंग बोलने में आसान है, लेकिन इस स्पोर्ट करना कहीं न कहीं मुश्किल होता है। इसके बावजूद ये स्पोर्ट कई लोगों का फेवरेट होता है। भारत में कई ऐसी जगहें जहां स्काई डाइविंग कराई जाती है। जानें उन जगहों के बारे में...

स्काईडाइविंग एक ऐसा स्पोर्ट है, जिसमें हवा में उड़ते हुए हेलीकॉप्टर से नीचे कूदना होता है और कुछ समय बाद जब ऊंचाई कम हो जाती है, तो पैराशूट की मदद से लैंड करना होता है। इससे कई नियम जुड़े होते हैं, जिनका पालन करना बेहद जरूरी होता है। साथ ही इस स्पोर्ट को करने के लिए पहले ट्रेनिंग भी दी जाती है। जब निर्देशों को अच्छी तरह से समझ लिया जाए, तो इसे करने में आसानी होती है। ऐसा माना जाता है कि अगर बेस्ट ट्रेनिंग फॉलो करनी है तो इसके लिए काफी लंबा समय लगता है।

हालांकि स्काईडाइविंग बोलने में आसान है, लेकिन इस स्पोर्ट करना कहीं न कहीं मुश्किल होता है। इसके बावजूद ये स्पोर्ट कई लोगों का फेवरेट होता है। बता दें कि भारत में कई ऐसी जगहें जहां स्काई डाइविंग कराई जाती है। चलिए आपको बताते हैं उन जगहों के बारे में...

तस्वीर साभार skydivedanielson.com

धाना, मध्य प्रदेश

मध्यप्रदेश के धाना में स्काईडाइविंग कराई जाती है। ये शहर मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से करीब 186 किलोमीटर दूर है। दरअसल, यहां स्काईडाइविंग के कैंप लगते हैं और यहां स्काईडाइविंग से पहले करीब आधे घंटे की ट्रेनिंग दी जाती है। बताया जाता है कि यहां 4000 फीट की ऊंचाई से स्काईडाइविंग कराई जाती है। वहीं इसके लिए आपको यहां करीब 35000 रुपये के आसपास देने होंगे।

डीसा, गुजरात

गुजरात का ये शहर स्काईडाइविंग के लिए काफी मशहूर है। खूबसूरत झीलों वाले इस शहर में स्काईडाइविंग के कई इवेंट्स आयोजित किए जाते हैं। कहा जाता है कि यहां स्काईडाइविंग करने से पहले करीब 1 से 5 दिनों की ट्रेनिंग दी जाती है। ऐसा माना जाता है कि यहां स्काईडाइविंग के लिए करीब 33500 रुपये लिए जाते हैं। आप भी यहां जाकर स्काईडाइविंग कर सकते हैं।

पॉन्डिचेरी, तमिलनाडु

ये भारत के लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है और खास बात है कि आप यहां जाकर स्काईडाइविंग भी कर सकते हैं। यहां करीब 10000 फीट की ऊंचाई से स्काईडाइविंग कराई जाती है। यहां करीब 27000 रुपये में इस स्पोर्ट को कराया जाता है। इतना नहीं इसके लिए कैंप का आयोजन किया जाता है।

मैसूर, कर्नाटक

कर्नाटक का ये शहर खूबसूरत वादियों और हरियाली के लिए जाना जाता है। मैसूर के चामुंडी हिल्स में स्काईडाइविंग की जा सकती है। यहां स्काईडाइविंग के लिए एक दिन की ट्रेनिंग दी जाती है और करीब 10000 से 15000 फीट की ऊंचाई से जंप कराया जाता है। ऐसा माना जाता है कि यहां स्काईडाइविंग कराने के लिए 30000 से 35000 रुपये लिए जाते हैं।

अमेरिका : न्यूयॉर्क में चीनी प्रवासी की मौत से हंगामा, पीछे से हमला कर जमीन पर पटक-पटकर मारा गया

चीनी प्रवासी याओ पान मा की अमेरिका के न्यूयॉर्क में मौत हो गई है। उनपर एक अश्वेत व्यक्ति ने हमला किया था। अब इस मामले में हत्या के तहत जांच होगी।

अमेरिका के ईस्ट हार्लेम में पिछले साल अप्रैल में डिब्बे इकट्ठा करने के दौरान हमले का शिकार हुए एक चीनी प्रवासी की मौत हो गई है और अब इसे हत्या का मामला माना जा रहा है। न्यूयॉर्क सिटी पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि याओ पान मा (61) की 31 दिसंबर को मौत हो गई। न्यूयॉर्क और देशभर में एशियाई विरोधी घृणा अपराधों में वृद्धि के मद्देनजर इस हमले ने देश का ध्यान आकर्षित किया। न्यूयॉर्क शहर के जारोड पॉवेल (49) पर पहले इस मामले में हत्या के प्रयास, गुंडागर्दी और घृणा अपराध के आरोप लगे थे, जिसकी जांच जारी है।

परिवार के एक प्रतिनिधि ने कहा कि पॉवेल के खिलाफ आरोप अब बढ़ाए जाने चाहिए। न्यूयॉर्क सिटी में समुदाय के कार्यकर्ता और मा के परिवार के प्रवक्ता कार्लिन चान ने कहा, 'हम जिला अटॉर्नी कार्यालय से अब हत्या के आरोपों को बढ़ाने के लिए संपर्क कर रहे हैं। हम न्याय के लिए लड़ रहे हैं। पॉवेल ने जो किया उसके लिए उसे दंड भुगतने की आवश्यकता है।' अभियोजकों का कहना है कि पॉवेल ने मा पर पीछे से हमला किया, उसे जमीन पर पटक दिया और बार-बार उसके सिर पर लात मारी।

हमले के बाद कभी होश नहीं आया : पुलिस की ओर से जारी सर्विलांस वीडियो में एक हमलावर मा के सिर पर मारते नजर आ रहा है। चान ने कहा कि हमले के बाद मा को कभी होश नहीं आया और समय के साथ उनकी हालत बिगड़ती चली गई। चान ने कहा कि इस घटना से मा की पत्नी बुरी तरह से टूट गई है। मा चीन से यहां अक्टूबर 2018 में आए थे और वह शेफ थे। अमेरिका आने के बाद मा को एक चीनी रेस्त्रां में काम मिल गया था। लेकिन महामारी के कारण लॉकडाउन लग जाने से उनकी नौकरी चली गई और अमेरिका में निर्धारित समय से कम अवधि तक काम कर पाने के कारण उन्हें बेरोजगारी भत्ता भी नहीं मिल पाया।

बोतल इकट्ठा कर रहीं मां-पत्नी : जिसके बाद गुजारा करने के लिए मा और उनकी पत्नी बोतल इकट्ठा करने का काम करते थे। चान ने बताया कि उनके पास बचत के नाम पर पैसे नहीं थे। उन्होंने बताया कि दंपति के दो बच्चे हैं जो अब भी चीन में हैं। चान ने बताया कि महामारी से पहले दंपति का चाइनाटाउन स्थित घर दिसंबर 2019 में आग में नष्ट हो गया था। जिसके बाद वे अपने रिश्तेदार के पास अमेरिका आ गए थे।

भारत में अगले महीने पीक पर होगा 'ओमिक्रॉन', रोजाना आएंगे 5 लाख केस, विशेषज्ञ ने बताया देश में कैसे होंगे कोरोना से हालात

अमेरिका के स्वास्थ्य विशेषज्ञ ने बताया है कि भारत में अगले महीने कोरोना वायरस का ओमिक्रॉन वेरिएंट पीक पर होगा लेकिन ये डेल्टा के मुकाबले कम गंभीर होगा।

भारत में कोरोना वायरस : भारत में अगले महीने कोरोना वायरस के मामले पीक पर पहुंच सकते हैं और ऐसी आशंका है कि प्रति दिन 5 लाख केस सामने आएंगे। ये बात अमेरिका के स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉक्टर क्रिस्टोफर मूरे ने कही है। वह वाशिंगटन में स्वास्थ्य मेट्रिक्स और मूल्यांकन संस्थान के निदेशक हैं। उन्होंने कहा कि 'देश में डेल्टा के मुकाबले ओमिक्रॉन कम गंभीर होगा।' फिलहाल देशभर में ओमिक्रॉन के कारण मामलों में बड़ा उछाल देखने को मिल रहा है, जिससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि तीसरी लहर शुरू हो चुकी है। डॉक्टर मूरे ने कहा, 'आप ओमिक्रॉन की लहर में प्रवेश कर रहे हैं, दुनिया के बाकी कई देशों की तरह, और हमें इस बात की आशंका है कि पीक के दौरान प्रति दिन बड़ी संख्या में मामले आएंगे, जितने मामले डेल्टा की लहर में सामने आए, ये उससे अधिक होंगे लेकिन ओमिक्रॉन बहुत कम गंभीर है। तब बहुत मामले आएंगे और रिकॉर्ड स्तर पर होंगे। लेकिन बीमारी कम गंभीर रहेगी। अभी हम मॉडल्स पर काम कर रहे हैं, जिन्हें बाद में जारी किया जाएगा, हमें लगता है कि पीक के समय पांच लाख मामले भी आ सकते हैं, जो अगले महीने देखने को मिल सकता है।'

भारत में ओमिक्रॉन कम गंभीर होगा : भारत के ज्यादातर विशेषज्ञों ने कहा है कि देश के पास हाइब्रिड इम्युनिटी है, तो ऐसे में ओमिक्रॉन कम गंभीर होगा। इसपर डॉक्टर मूरे ने कहा, 'हमें दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों से पता चला है कि टीकाकरण के चलते बीमारी की गंभीर स्थिति से बचने में मदद मिलती है, इससे मौत या फिर अस्पताल में भर्ती होने का खतरा भी कम होता है। इसलिए हमें लगता है कि भारत में भी ओमिक्रॉन के बहुत मामले आएंगे, लेकिन डेल्टा की लहर के मुकाबले अस्पतालों में कम लोग भर्ती होंगे और कम मौत दर्ज होंगी।'

बिना लक्षण वाले होंगे 85.2 फीसदी मामले : वेरिएंट के चलते गंभीर स्थिति और अस्पताल में मरीजों के भर्ती होने की दर पर पूछे गए सवाल के जवाब में डॉक्टर ने कहा, 'हमें लगता है कि संक्रमण के 85.2 फीसदी मामलों में कोई लक्षण दिखाई नहीं देंगे। ये बिना लक्षण वाले मामले होंगे लेकिन इनमें भी हमें लगता है कि कई लोग अस्पताल में भर्ती हो सकते हैं और मौत हो सकती हैं। हम अब भी कई लोगों को अस्पताल में भर्ती होते देख रहे हैं और मौत के मामलों की बात करें, तो इसका आंकड़ा कम ही रहेगा। ऐसे में भारत में डेल्टा लहर से तुलना करें, तो अस्पतालों में लोगों के भर्ती होने की दर एक चौथाई होगी और डेल्टा की लहर के मुकाबले मौत भी कम होंगी।'

म्यूटेशन को लेकर क्या बोले डॉक्टर : कुछ विशेषज्ञों का ऐसा मानना है कि ओमिक्रॉन वेरिएंट के फैलने से नए म्यूटेशन पैदा हो सकते हैं। इस बारे में बात करते हुए डॉक्टर मूरे ने कहा, 'म्यूटेशन की बात करें, तो वह कम भी हो सकते हैं। तो बीमारी जितनी फैलेगी, म्यूटेशन का खतरा उतना ही ज्यादा होगा। लेकिन ओमिक्रॉन बहुत तेजी से फैलता है और अगले एक से दो महीने में इसके मामलों में बड़ा उछाल दिखाई देगा। तो हमें लगता नहीं है कि कोई नया वेरिएंट आएगा क्योंकि ओमिक्रॉन ही काफी तेजी से फैलने वाला है।'

कोविड के मामलों में भारी बढ़ोतरी के साथ एयरलाइन उद्योग अत्यधिक दबाव में आ गया है

एयर इंडिया ने हवाई यात्रियों को दिया तोहफा, एक बार मुफ्त में बदल सकेंगे यात्रा की तारीख

Air India ने भारत में बढ़ते कोविड-19 मामलों के कारण अनिश्चितताओं के मद्देनजर सभी घरेलू उड़ानों के लिए तारीख या उड़ान संख्या में एक बार मुफ्त में बदलाव करने की सुविधा दी है।

सरकारी से प्राइवेट हो रहे एअर इंडिया ने कोरोना संकट में हवाई यात्रियों को बड़ी राहत दी है। एअर इंडिया ने भारत में बढ़ते कोविड-19 मामलों के कारण अनिश्चितताओं रखते हुए एअर इंडिया 31-03-22 को या उससे पहले कंनफर्म ट्रैवल के साथ सभी घरेलू टिकटों (098) के लिए तारीख या उड़ान संख्या में बदलाव के लिए पेशकश कर

> **Air India** @airindiain
>
> #FlyAI : In view of recent uncertainties due to surge in COVID cases, Air India is offering **ONE FREE CHANGE** of date or flight number or sector for all domestic tickets (098) with confirmed travel on/before 31.03.22.
> For details please visit airindia.in .
>
> 7:52 अपराह्न · 9 जन. 2022

के मद्देनजर सभी घरेलू उड़ानों के लिए तारीख या उड़ान संख्या में एक बार मुफ्त में बदलाव करने की सुविधा दी है। एअर इंडिया ने ट्वीट कर यह जानकारी दी है। अब एअर इंडिया के यात्री कोरोना की वजह से अपनी यात्रा को बदल सकते हैं। एयरलाइन की इस नई सुविधा से यात्रियों को नुकसान नहीं उठाना पड़ेगा। एक ट्वीट में एअर इंडिया ने कहा कि घरेलू यात्री 31 मार्च, 2022 को या उससे पहले कंफर्म्ड ट्रैवल के साथ तारीख या उड़ान संख्या बदल सकते हैं। एयर इंडिया ने ट्वीट में कहा, कोविड मामलों में बढ़ोतरी के कारण हाल की अनिश्चितताओं को ध्यान में रही है।

केंद्र ने शुक्रवार को देश में 11 जनवरी से अगले आदेश तक सभी अंतर्राष्ट्रीय आगमन के लिए सात दिवसीय अनिवार्य होम क्वारंटाइन की भी घोषणा की थी।

एयरलाइन इंडस्ट्री दबाव में : आपको बता दें कि कोविड के मामलों में भारी बढ़ोतरी के साथ एयरलाइन उद्योग अत्यधिक दबाव में आ गया है। बाजार हिस्सेदारी के मामले में भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने कहा कि वह कोविड-19 महामारी की चल रही लहर के कारण अपनी क्षमता में 20 फीसदी कटौती करेगा।

यात्रा शुरू करने से कम से कम 72 घंटे पहले फ्लाइट रद्द की जाएगी और ग्राहकों को अगली फ्लाइट में शिफ्ट किया जाएगा। प्लान बी के तहत उनकी यात्रा में भी बदलाव किया जा सकेगा। प्लान बी के बारे में इंडिगो की वेबसाइट पर जानकारी दी जाएगी।

इंडिगो ने ग्राहकों को दी ये राहत : कोविड के बढ़ते मामलों को देखते हुए कंपनी 31 जनवरी तक यात्रियों से कोई 'चेंज फीस' नहीं लेगा। यात्री चाहें तो अपनी जरूरत के मुताबिक उसी पैसे से 31 जनवरी तक किसी दूसरी फ्लाइट में टिकट ले सकेंगे। इसके लिए कोई चेंज फीस नहीं ली जाएगी।

इंडिगो, जिसके पास 275 से अधिक विमानों का बेड़ा है, ने दिसंबर में रोजाना लगभग 1,500 उड़ानें संचालित कीं। नवंबर में एयरलाइन की घरेलू बाजार हिस्सेदारी 54.3% थी।

स्पाइसजेट ने भी किया ये ऐलान : लो कॉस्ट एयरलाइन स्पाइसजेट ने भी 31 जनवरी तक चेंज फीस माफ की है। कोरोना के चलते जो यात्री अपने सफर का प्लान बदल रहे हैं, वे 31 जनवरी तक किसी दूसरी फ्लाइट में किसी अन्य तारीख की टिकट ले सकते हैं। मनपसंद सीट लेने के लिए यात्रियों को चार्ज में 25 फीसदी तक छूट देगी।

24 घंटे में 1.79 लाख केस दर्ज : भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के 1,79,723 नए मामले आए हैं और पिछले 24 घंटों में 146 लोगों की मौत हुई है। संक्रमण के नए मामले रविवार के मुकाबले 12.6 फीसदी ज्यादा हैं।

यूएस : सिख टैक्सी ड्राइवर के साथ मारपीट-उछाली पगड़ी अमेरिका ने की हिंसा की निंदा, कहा- घटना से दुखी

न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने शनिवार को ट्वीट किया, 'न्यूयॉर्क में एक सिख टैक्सी चालक पर हमला बेहद परेशान करने वाला है। हमने इस मामले को अमेरिकी अधिकारियों के सामने उठाया है और उनसे इस हिंसक घटना की जांच करने का आग्रह किया है।'

अमेरिका ने जेएफके इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भारतीय मूल के एक सिख टैक्सी ड्राइवर पर हुए हमले की निंदा की है। अमेरिका ने इस घटना को "बेहद परेशान करने वाला" बताया है। विदेश विभाग ने कहा कि विविधता अमेरिका को मजबूत बनाती है और वे किसी भी तरह

> **State_SCA** @State_SCA · 9 जन. 2022
> 1/2 We are deeply disturbed by reports of an apparent attack on a Sikh cab driver at J.F.K. airport, captured on video last week. Our diversity makes the U.S. stronger, & we condemn any form of hate-based violence.
>
> **State_SCA** @State_SCA
> 2/2 We all have a responsibility to hold perpetrators of hate crimes accountable for their actions, no matter where such crimes occur.
>
> 8:07 पूर्वाह्न · 9 जन. 2022

की घृणा आधारित हिंसा की निंदा करते हैं। अमेरिका ने कहा, 'हम जेएफके इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक सिख कैब ड्राइवर पर हुए हमले की खबर से बहुत व्यथित हैं। हमारी विविधता अमेरिका को मजबूत बनाती है और हम इस हिंसा की निंदा करते हैं।'

वहीं, भारत के महावाणिज्य दूतावास ने भी इस घटना की निंदा की है। दूतावास ने कहा कि उसने इस मामले को अमेरिकी अधिकारियों के समक्ष उठाया है और उनसे घटना की जांच करने की अपील की है। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने शनिवार को ट्वीट किया, 'न्यूयॉर्क में एक सिख टैक्सी चालक पर हमला बेहद परेशान करने वाला है। हमने इस मामले को अमेरिकी अधिकारियों के सामने उठाया है और उनसे इस हिंसक घटना की जांच करने का आग्रह किया है।' नवजोत पाल कौर द्वारा चार जनवरी को ट्विटर पर अपलोड किए गए 26 सेकंड के एक वीडियो में एक शख्स एयरपोर्ट के बाहर सिख टैक्सी ड्राइवर के साथ मारपीट करते हुए दिख रहा है। कौर ने एक

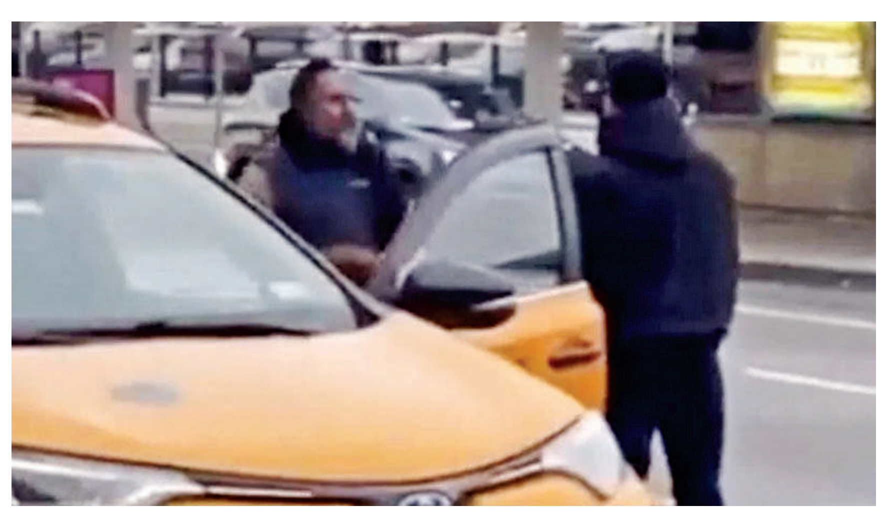

ट्वीट में कहा कि वीडियो को एयरपोर्ट पर एक यात्री ने रिकॉर्ड किया था। वीडियो में व्यक्ति को पीड़ित के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए भी सुना जा सकता है। वह वीडियो में सिख टैक्सी ड्राइवर को बार-बार पीटते और मुक्के मारते दिख रहा है। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि उसने सिख टैक्सी ड्राइवर की पगड़ी भी उछाल दी।

कौर ने कहा, 'यह वीडियो जॉन एफ कैनेडी इंटरनेशनल एयरपोर्ट का है। मैंने यह वीडियो रिकॉर्ड नहीं किया, लेकिन मैं इस तथ्य को उजागर करना चाहती थी कि हमारे समाज में नफरत अब भी बरकरार है और दुर्भाग्य से, मैंने कई सिख टैक्सी ड्राइवर से मारपीट किए जाने की घटनाएं कई बार देखी हैं।' वीडियो सामने आने के बाद समुदाय के कई सदस्यों ने इस घटना की निंदा करते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी है। अमेरिका में किसी सिख टैक्सी ड्राइवर पर हमले की यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी भारतीय मूल के सिख उबर कैब ड्राइवर पर 2019 में हमला किया गया था। इसके अलावा न्यूयॉर्क में 2017 में भी 25 वर्षीय सिख कैब ड्राइवर पर हमला हुआ था।

अमेरिका : एक साल के कार्यकाल में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने मीडिया से बनाई रखी दूरी, दिए सिर्फ 22 इंटरव्यू

जो बाइडेन ने व्हाइट हाउस में अपने कार्यकाल का पहला साल पूरा कर लिया है, लेकिन उन्होंने अपने पहले के पांच पूर्व राष्ट्रपतियों की तुलना में बहुत कम ही संवाददाता सम्मेलन किए हैं।

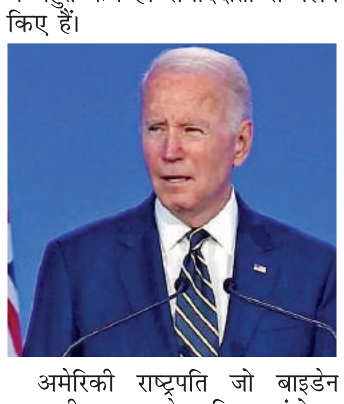

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन महामारी पर अपने हालिया संबोधन के बाद एक बार फिर पत्रकारों के सवालों की झड़ी से बचते नजर आए। ये बाइडेन के कार्यकाल में कोई नई बात नहीं रही, वो अपने एक साल के कार्यकाल में आमतौर पर मीडिया से बचते नजर आए हैं। पिछले दिनों बाइडेन ने कोविड-19 से संबंधित रैपिड टेस्ट के अभाव के बारे में एक सवाल का जवाब दिया, उसके बाद

उन्होंने ओमिक्रॉन के कारण लगाए गए यात्रा प्रतिबंधों के बारे में पूछे गए प्रश्न का उत्तर दिया। उसके बाद उन्होंने तीसरे सवाल का जवाब टाल दिया।

तीसरा सवाल सीनेटर जो मानचिन से संबंधित था, जिन्होंने कथित तौर पर बाइडेन की सामाजिक सेवाओं और जलवायु खर्च योजना की धज्जियां उड़ा दी थी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने पश्चिमी वर्जिनिया के डेमोक्रैट सदस्य के बारे में पूछे गए सवाल का सीधा जवाब दिए बिना कहा कि मैं अभी ये संवाददाता सम्मेलन करने वाला नहीं हूं। कुछ सेकेंड बाद बाइडेन पलटे और कमरे से बाहर चले गए। बाइडेन प्रेस के साथ सीमित संपर्क रखते नजर आए हैं।

एक साल के कार्यकाल में बाइडेन ने बहुत कम संवाददाता सम्मेलन किए : बाइडेन ने व्हाइट हाउस में अपने कार्यकाल का पहला साल पूरा कर लिया है, लेकिन उन्होंने अपने पहले के पांच पूर्व राष्ट्रपतियों की तुलना में बहुत कम ही संवाददाता सम्मेलन किए हैं। बाइडेन ने अपने पूर्ववर्तियों की तुलना में कम ही मीडिया इंटरव्यू दिए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस व्यवहार से व्हाइट हाउस को इस सवाल का सामना करना पड़ रहा है कि क्या राष्ट्रपति इस बात पर पर्दा डालना चाहते हैं कि उनका प्रशासन कैसे चल रहा है और क्या वो अमेरिकावासियों को अपने एजेंडे के बारे में अवगत कराने का अवसर खो रहे हैं। हालांकि बाइडेन ने अमेरिका के इतिहास में सर्वाधिक पारदर्शी प्रशासन का संकल्प लिया है।

बाइडेन ने केवल 22 मीडिया इंटरव्यू दिए हैं, जो पूर्ववर्ती छह राष्ट्रपतियों की तुलना में कम है। इनमें तीन इंटरव्यू प्रमुख टेलीविजन नेटवर्क को दिए गए हैं। उन्होंने तीन ही इंटरव्यू प्रिंट मीडिया को दिए हैं।

अमेरिका के 46वें राष्ट्रपति ने इस एक साल के कार्यकाल में केवल नौ औपचारिक संवाददाता सम्मेलन आयोजित किए हैं, जिनमें छह अकेले और तीन विदेशी नेताओं के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन शामिल हैं।

फ्लाईओवर पर रुका पीएम का काफिला पाकि तोपखाने व स्नाइपरज की रेंज में था : जीवन गुप्ता

मोदी के लिए कांग्रेस द्वारा रचित खूनी साजिश का चैनल के स्टिंग ऑपरेशन ने किया पर्दाफाश

जालंधर. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सुरक्षा में 5 जनवरी को जानबूझ कर की गई घोर लापरवाही दरअसल प्रधानमंत्री नरेंदर मोदी की सुरक्षा में खूनी खिलवाड़ और साज़िश थी और इस के तार राजनैतिक रूप में सीधे कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से जाकर जुड़ते है। भारतीय जनता पार्टी इस बात को शुरू से कहती आई है और इस बात का पुख्ता प्रमाण अब सारे मीडिया ने भी दे दिया है। इन बातों का खुलासा भारतीय जनता पार्टी पंजाब के प्रदेश महासचिव जीवन गुप्ता ने जालंधर में आयोजित पत्रकार-वार्ता के दौरान बातचीत करते किया। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय गृह-मंत्रालय व भाजपा का राष्ट्रीय व प्रदेश नेतृत्व पहले दिन से ही कह रहे हैं कि पुलिस को पंजाब भर में प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई न करने के निर्देश कांग्रेस

हाईकमान के कहने पर चन्नी सरकार द्वारा दिए गए थे।

जीवन गुप्ता ने कहा कि एक प्रतिष्ठित टीवी चैनल की इनवेस्टिगेटिव टीम ने स्टिंग ऑपरेशन के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री मोदी की सुरक्षा में हुई घोर लापरवाही पर बड़ा खुलासा किया है। इस खिलवाड़ के दौरान प्रधानमंत्री का काफिला गुजरने वाली सड़क पर प्रदर्शनकारी और रेडिकल ग्रुप्स कैसे पहुंचे और अपनी मनमानी करते रहे और पुलिस मूकदर्शक बन कर तमाशा देखती रही। इस स्टिंग ऑपरेशन में बताया गया है कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा के साथ हुई चूक इरादतन चूक थी। कोई संयोग नहीं बल्कि एक खूनी साज़िशन प्रयोग था, कुदरती नहीं बल्कि सुनियोजित षड्यंत्र था। इस स्टिंग ऑपरेशन में स्थानीय एसएचओ और डीएसपी (सीआईडी) को स्पष्ट सुना जा सकता है। दोनों का कहना है कि उन्हें प्रधानमंत्री के रूट पर होने वाले रुकावट को ले कर पहले से ही जानकारी थी और इस संबंधी दोनों ने ही अपने आला अधिकारियों को समय रहते सूचित किया था। लेकिन इसके बावजूद भी किसी ने कोई ऐक्शन नहीं लिया। यह दर्शाता है कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा चूक में सुनियोजित व मिलीभगत थी।

फ्लैग मार्च

• **जालंधर.** विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र लोगों में सुरक्षा की भावना पैदा करने के साथ-साथ कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए एडीसीपी-2 हरपाल सिंह के नेतृत्व में एसीपी कैंट रविंद्र सिंह द्वारा 130 जवानों के साथ जालंधर कैंट, परागपुर, कस्बा जमशेर, कस्बा जंडियाला व थाना सदर के अलग-अलग गांवों में फ्लैग मार्च किया गया। फ्लैग मार्च में एस.एच.ओ. सदर व एस.एच.ओ. कैंट समेत 31 कर्मचारी, एआरपी के 31 जवान, 13 कमांडो व सीआरपीएफ के 55 जवान शामिल थे।

लायसैंस हथियार जमा करवाने के लिए ज़िला स्तरीय स्क्रीनिंग समिति का गठन

जालंधर. आदर्श चुनाव संहिता लागू होने के बाद चल रही चुनाव प्रक्रिया दौरान स्थानीय प्रशासन की तरफ से हथियार लायसैंस की स्क्रीनिंग के लिए ज़िला स्तरीय स्क्रीनिंग समिति का पुनर्गठन किया गया है। इस समिति के चेयरमैन डिप्टी कमिशनर घनश्याम थोरी होंगे ,जबकि एसएसपी (देहाती) सतीन्द्र सिंह, अतिरिक्त डिप्टी कमिशनर (ज) अमरजीत बैंस और एसपी (इनवैस्टीगेशन) कंवलप्रीत सिंह मैंबर होंगे।समिति की तरफ से सभी लायसैंस धारकों के मामलों की पड़ताल की जायेगी, जिनमें ज़मानत पर रिहा हुए व्यक्तियों के हथियार लायसैंस, अपराधिक इतिहास रखने वाले व्यक्तियों के हथियार लायसैंस और पहले किसी भी समय, विशेषकर चुनाव समय दौरान दंगों में शामिल व्यक्तियों के हथियार लायसैंस शामिल हैं। डिप्टी कमिशनर ने यह भी बताया कि हथियार जमा करवाने का काम पहले ही जारी है।

एसएसपी (देहाती) दफ़्तर की तरफ से 89 प्रतिशत और पुलिस कमिशनरेट दफ़्तर की तरफ से 83 प्रतिशत हथियार जमा करवाया जा चुका है। ज़िक्रयोग्य है कि स्क्रीनिंग समिति से रिपोर्ट प्राप्त होने पर लायसैंसिंग अथारटी की तरफ से उम्मीदवारी वापस लेने के लिए निर्धारित आखिरी तारीख़ से पहले व्यक्तिगत लायसैंस धारक को अपने हथियार जमा करवाने के लिए नोटिस जारी किया जायेगा।

हथियार जमा न करवाने पर आई.पी.सी. की धारा 188 के अंतर्गत मुकदमा चलाया जायेगा। लायसैंस धारक को तुरंत हथियार जमा करवाना होगा, जिसके लिए उसे हथियार जमा करवाने की उचित रसीद दी जायेगी।

चुनाव आयोग के आदेशों की पालना यकीनी बनाने के दिए निर्देश

40 लाख रुपए तक ख़र्च कर सकेंगे उम्मीदवार

कपूरथला. डिप्टी कमिशनर -कम -ज़िला चुनाव अधिकारी श्रीमती दीप्ति उप्पल ने चुनाव आयोग के आदेशों की पूरी पालना को यकीनी बनाने के उद्देश्य से आज यहाँ अलग -अलग राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों, प्रिंटरें -पबलिशरो और बैंक अधिकारियों के साथ विशेष बैठक करके किसी भी हालत में चुनाव संहिता की कोई उल्लंघन न होने की बात की। उन्होंने सभी को कोरोना से बचाव के लिए ज़रुरी सावधानी अपनाने की ज़रूरत पर भी ज़ोर दिया। कांग्रेस, अकाली दल, आम आदमी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और भाजपा आदि के प्रतिनिधियों के साथ स्थानीय ज़िला प्रशासकीय कंपलैक्स में बैठक दौरान डिप्टी कमिशनर ने राजनीतिक पार्टियाँ से अपील की कि वह चुनाव कमीशन के आदेशों अनुसार ही अपने उम्मीदवारों का प्रचार-प्रसार यकीनी बनाए। उन्होंने कहा कि किसी भी उम्मीदवार की फोटो वाला पोस्टर सम्बन्धित जगह वाले की मंज़ूरी से बिना न लगाया जाये। उन्होंने बताया कि उम्मीदवारों का चुनाव खर्चा 40 लाख रुपए निर्धारित किया गया है और हर उम्मीदवार की तरफ से अपना नामज़दगी पत्र दाख़िल करने वाले दिन से ले कर चुनाव नतीजे वाले दिन तक किये गए चुनाव खर्च का हिसाब -किताब रखा जाना ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि उम्मीदवार की तरफ से 10 हज़ार रुपए से अधिक किये जाने वाले खर्च की अदायगी अपने चुनाव खर्च किए सम्बन्धित खुलवाए गए बैंक खाते में से चैक, डिमांड ड्राफ़्ट और नैफट से की जा सकती है।

डीसी ने निर्देश दिए कि राजनीतिक पार्टियाँ और उम्मीदवारों की तरफ से चुनाव प्रचार के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रानिक और सोशल मीडिया के द्वारा की जाने वाली इश्तिहारबाज़ी ज़िला स्तरीय मीडिया सरटीफिकेशन और मोनिटरिंग समिति से आगामी सरटीफाई करवाना ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि मतदान दौरान किसी भी सरकारी इमारत या जायदाद पर इश्तिहार की सख़्त मनाही है और प्राईवेट प्रॉपर्टी पर भी किसी तरह के पोस्टर, बैनर आदि लगाने के लिए सम्बन्धित मालिक से एन.ओ.सी लेनी ज़रूरी है।

प्रिंटरों और पब्लिशरों की जत्थेबंदी के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत। उन्होंने कहा कि किसी भी उम्मीदवार की चुनाव प्रचार सामग्री छापने समय पर प्रिंटर की तरफ से प्रिंट लाईन और सामग्री की संख्या का ज़िक्र ज़रूर किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस सम्बन्धित अपेक्षित जानकारी सम्बन्धित आर.ओ. के दफ़्तर में भी दी जायेगी। बैंकों के आधिकारियों को निर्देश देते हुए डीसी ने कहा कि चुनाव आयोग के आदेशों अनुसार किसी भी शक्की बड़ी रकम जमा करवाने और निकलवाने सम्बन्धित जानकारी बैंक की तरफ से चुनाव दफ़्तर के साथ सांझी की जायेगी।

गणतंत्र दिवस की तैयारियों संबंधी लगाई ड्यूटियां

26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मौके करवाए जाने वाले ज़िला स्तरीय समारोह की तैयारियों और प्रबंधों सम्बन्धित डिप्टी कमिशनर दीप्ति उप्पल की तरफ से आज यहाँ ज़िला प्रशासकीय कंपलैक्स में अलग -अलग विभागों के आधिकारियों के साथ आनलाईन बैठक करके उनको बनती ज़िम्मेदारी सौंपी गई। समागम की रूप -रेखा बनाने के लिए बुलाई बैठक की अध्यक्षता करते हुए डिप्टी कमिशनर ने बताया कि ज़िला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह स्थानीय गुरू नानक स्टेडियम में सरकार की तरफ से जारी कोविड प्रोटोकाल अनुसार करवाया जायेगा। समारोह सम्बन्धित ज़रुरी प्रबंध समय पर यकीनी बनाने के निर्देश देते हुए डिप्टी कमिशनर ने कहा कि स्टेडियम में साफ़ -सफ़ाई, पीने वाले पानी, बिजली, मैडीकल टीमो आदि सहित ट्रैफ़िक व्यवस्था, पार्किंग के पुख़्ता प्रबंध किये जाएँ ,जिससे समागम को सभ्यक ढंग के साथ पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि इस दिवस को पूरे उत्साह के साथ मनाया जायेगा और फूल ड्रेस रिहर्सल 24 जनवरी को होगी।

चन्नी सरकार ने पीएमएस योजना घोटाले की जांच बंद कर बड़े स्तर पर किया भ्रष्टाचार : कैंथ

चंडीगढ़. अनुसूचित जाति के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने पंजाब में पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप योजना के तहत बहुचर्चित व बहुकरोड़ी घोटालों में लिप्त कथित दोषियों और महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के निजी शिक्षण संस्थानों के प्रबंधन को बचाने के लिए घोटाले की जांच की फाइल बंद करके अपने ही समाज के गरीब परिवारों के विद्यार्थियों के साथ अन्याय, धोखा और धक्केशाही की है। नैशनल शैडयूल्ड कास्ट्स अलायंस के प्रधान परमजीत सिंह कैंथ ने ये दोष लगाते हुए उक्त घोटाले के दोषियों को सजा ना दिलवाकर फाइल बंद करने का गंभीर नोटिस लिया है।

उन्होंने कहा कि राजनैतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए एस सी समाज के बच्चों के साथ धोखा किया गया है, कानून की धज्जियां उड़ाकर अनुसूचित जाति के समूह विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया है।

कैंथ ने कहा कि अनुसूचित जाति के लाखों विद्यार्थियों को मिलने वाली

छात्रवृत्ति में राजनैतिक पार्टियों विशेषकर अकाली दल और कांग्रेस ने घोटा किया है। उन्होंने कहा कि इस बहुकरोड़ी घोटाले को दबाने के लिए राजनीतिज्ञों ने शुरू से ही कोशिशें की हैं।

नैशनल शैडयूल्ड कास्ट्स अलायंस के चीफ परमजीत सिंह कैंथ ने दोष लगाया है कि सरकार ने चुपचपीते चुनावों से ठीक पहले वजीफा घोटाले के दोषियों को बचा दिया है जिन पर अब पुलिस केस दर्ज नहीं होगा। पहली जनवरी को हुई मीटिंग में उन शिक्षा संस्थानों के खिलाफ भी पुलिस कारवाई से छूट दे दी गई है जिनसे सरकार पहले ही 9 प्रतिशत ब्याज समेत रिकवरी कर ली गई है। उन्होंने बताया कि इस मामले को पूरी तरह गुप्त रखा गया जबकि इस बारे में संबंधित विभाग द्वारा कोई एजेंडा भी नहीं भेजा गया था, फिर भी कैबिनेट ने अपने स्तर पर ही फैसला कर लिया।

याद रहे कि पंजाब सरकार ने 31 मई 2018 को पोस्ट मैट्रिक वजीफा स्कीम के संबंध में फैसला किया था कि जिन संस्थानों की तरफ 50 लाख से ज्यादा की इतराजयोग राशि निकाली गई है उनके खिलाफ कारवाई की जाए। ऐसे 70 संस्थानों की शनाख्त की भी गई जिनके पास 100 करोड़ से ज्यादा की (101.51 करोड़) बकाया राशि पाई गई परंतु मुख्य मंत्री द्वारा दिए आदेशों के बाद दोबारा रिव्यू किया गया और ये बकाया राशि 56.64 करोड़ रुपए रह गई।

कोविड -19 से बचाव के लिए टीकाकरण ज़रूरी, 26 लाख ख़ुराक की गिनती को किया पार : थोरी

बूस्टर डोज़ के इलावा 15 -18 वर्ष आयु के लाभपात्रियों को 5000 ख़ुराके दी

जालंधर. मानव सहयोग सोसायटी की तरफ से लगाए गए 50वें टीकाकरण कैंप का उद्घाटन करते हुए डिप्टी कमिश्नर घनश्याम थोरी ने योग्य लाभपात्रियों को जल्दी से जल्दी टीकाकरण करवाने का न्योता दिया, जिससे कोरोना वायरस को और फैलने से रोका जा सके। डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि ज़िले में 15,42,333 पहली और 10,55,913 दूसरी ख़ुराक सहित वैक्सीन की 26 लाख से अधिक ख़ुराक दी जा चुकी हैं। उन्होंने आगे बताया कि ज़िले में 200 से अधिक सैशन साईट कार्यशील हैं। उन्होंने आगे बताया कि टीम की तरफ से बुद्धवार को 15 से 18 वर्ष आयु के युवाओं को 464 ख़ुराक दी गई, जबकि ख़ुराक की कुल गिनती पहले ही 5000 की संख्या पार कर चुकी है। इसी तरह ज़िले में आज की 674 बूस्टर डोज़िज़ सहित 2020 बूस्टर डोज़ दी जा चुकी हैं। कोविड मामलों के अधिक होने के मद्देनज़र लोगों

को कोविड सम्बन्धित उचित व्यवहार की पालना में ढील न करने की अपील करते हुए डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि समय पर टीकाकरण, सामाजिक दूरी, बार-बार हाथ धोने के इलावा सही ढंग के साथ मास्क पहनने साथ इसके संक्रमण को प्रभावशाली ढंग के साथ रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि बड़े लोग हित में हमें सभी को इन आदेशों की सख़्ती के साथ पालना करनी चाहिए।

मानव सहयोग सोसायटी के यतनों की प्रशंसा करते हुए डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि लोगों को कोरोना वायरस से बचाना सामुहिक ज़िम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पहली दो लहरों दौरान सामाजिक, धार्मिक और ग़ैर-सरकारी संस्थानो की तरफ से निभाई गई भूमिका को भुलाया नहीं जा सकता है। डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि सामाजिक संस्थानो को निचले स्तर तक जागरूकता अभियान चलाने के लिए आगे आना चाहिए ,जिससे अधिक से अधिक लोगों को वायरस के मानवीय स्वास्थ्य पर पड़ने वाले बुरे प्रभावों से अवगत करवाया जा सके।

रोमांचक हुआ केपटाउन टेस्ट, जानें कैसा रहा दूसरा दिन

केपटाउन. न्यूलैंड्स में खेला जा रहा टेस्ट सीरीज़ का निर्णायक मुकाबला रोमांचक मोड़ पर आ गया है। भारत के 223 रनों के जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम अपनी पहली पारी में 210 रन ही बना सकी। इसके बाद दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक टीम इंडिया ने दो विकेट पर 57 रन बना लिए। स्टम्प्स के समय विराट कोहली 14 और चेतेश्वर पुजारा 9 रनों पर नाबाद लौटे। दूसरी पारी में भी केएल राहुल और मयंक अग्रवाल का बल्ला खामोश रहा। मयंक अग्रवाल 15 गेंदो में सात रन बनाकर आउट हुए। वहीं केएल राहुल 10 रनों पर पवेलियन लौटे। विराट कोहली 39 गेंदो में दो चौकों की मदद से 14 रनों पर खेल रहे हैं। वहीं पुजारा 31 गेंदो में 9 रनों पर नाबाद हैं। पुजारा के बल्ले से भी दो चौके निकले।

210 रन बना सकी दक्षिण अफ्रीका : इससे पहले दक्षिण अफ्रीका की टीम अपनी पहली पारी में 210 रनों पर सिमट गई। भारत ने अपनी पहली पारी में 223 रन बनाए थे। इस तरह उसने 13 रनों की बढ़त हासिल की. दक्षिण अफ्रीका के लिए कीगन पीटरसन ने सबसे ज्यादा 72 रन बनाए. वहीं भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट चटकाए. टेस्ट क्रिकेट में सातवीं बार बुमराह ने यह कारनामा किया।

दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत एक बार फिर खराब रही। भारत की दमदार गेंदबाजी के आगे उसने सिर्फ 45 रनों पर अपने तीन विकेट गंवा दिए थे। इस दौरान कप्तान डीन एल्गर 03, एडन मार्करम 08 और केशव महाराज 25 रन बनाकर आउट हुए। दोनों ओपनर्स को बुमराह ने पवेलियन भेजा तो महाराज को उमेश य़ादव ने आउट किया।

रासी वान डर डुसेन और पीटरसन ने संभाला : 45 रनों पर तीन विकेट गिरने के बाद रासी वान डुसेन और कीगन पीटरसन ने दक्षिण अफ्रीका की पारी को संभाला। डुसेन 54 गेंदो में 21 रन बनाकर आउट हुए. दोनों ने चौथे विकेट के लिए 67 रनों की साझेदारी की। इसके बाद पीटरसन ने टेंबा बाउमा के साथ 47 रनों की साझेदारी की. बाउमा 52 गेंदो में तीन चौकों की मदद से 28 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद विकेटकीपर बल्लेबाज़ खाता भी नहीं खोल सके। वहीं ने 26 गेंदो में सात रन बनाए। शानदार बल्लेबाज़ी कर रहे पीटरसन बुमराह के सामने अपनी एकाग्रता खो बैठे। उन्होंने 166 गेंदो में 9 चौकों की मदद से 72 रनों की शानदार पारी खेली। वहीं कगीसो रबाडा ने 15 रन बनाए।

पुलिस ने 6 घंटों के अंदर सुलझाई गुत्थी अगवा हुए बच्चे को परिवार को सौंपा

चंडीगढ़/फ़िरोज़पुर. फ़िरोज़पुर पुलिस ने बुधवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. नरिन्दर भार्गव के नेतृत्व में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार कर अपहरण हुए 16 साल के बच्चे के मामले को छह घंटों से भी कम समय में सुलझा लिया है। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान करण (23) निवासी अनाज मंडी फ़िरोज़पुर, राज सिंह उर्फ रोहित (25) निवासी बस्ती बाग़ वाली फ़िरोज़पुर और अमरजीत सिंह (22) निवासी गाँव तुनवाला, फ़िरोज़पुर के रूप में हुई है। जबकि इनका चौथा साथी अकाश उर्फ जानी (23) निवासी बस्ती गोल बाग़ फ़िरोज़पुर मौके से फ़रार होने में कामयाब हो गया।

पुलिस ने काबू किए दोषियों के पास से दो पिस्तौलों समेत दो कारतूस, एक मोटरसाईकल, पीड़ित का ऐक्टिवा स्कूटर और तीन मोबाइल फ़ोन भी बरामद

किए हैं। इस सम्बन्धी जानकारी देते हुए एसएसपी डॉ. भार्गव ने बताया कि फ़िरोज़पुर के एडवोकेट संजू शर्मा ने फ़िरोज़पुर पुलिस के पास शिकायत दर्ज करवाई थी कि उसका 16 साल का लडक़ा देव वीरम अपने ऐक्टिवा स्कूटर पर फ़िरोज़पुर कैंट में ट्यूशन पढऩे के लिए गया था और घर वापस नहीं लौटा और उसका मोबाइल फ़ोन भी बंद था। उन्होंने बताया कि संजू शर्मा को वाट्सऐप पर एक वीडियो और ऑडियो से संदेश मिला था, जिसमें उसका लडक़ा कह रहा था कि उसका अपहरण कर लिया गया है और अपहरणकर्ता फिरौती की माँग कर रहे हैं।

एसएसपी ने बताया कि उसे एक वाट्सऐप कॉल भी आई है, जिसमें कहा गया था कि यदि वह अपना बेटा वापस चाहती है तो 5 लाख रुपए का प्रबंध कर ले नहीं तो वह उसके बेटे को मार देंगे। डॉ. भार्गव ने तुरंत कार्यवाही करते हुए एसपी इनवैस्टीगेशन मनविन्दर सिंह के नेतृत्व में चार टीमों का गठन किया। इन टीमों में डीएसपी इनवैस्टीगेशन जगदीश कुमार, सीआईए इंचार्ज इंस्पेक्टर जगदीश कुमार और नारकोटिक सैल के इंचार्ज इंस्पेक्टर परमिन्दर सिंह बाजवा और थाना सिटी के एसएचओ मनोज कुमार शामिल थे।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.